सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-549
09/11/2017

किसानों की आमदनी बढ़ाना तीसरे कृषि रोडमैप का मुख्य लक्ष्य है :– मुख्यमंत्री

पटना, 09 नवम्बर 2017 :– सम्राट अशोक कॉन्वेंशन केंद्र के बापू सभागार में तीसरे कृषि रोडमैप (2017–22) के शुभारंभ कार्यक्रम का राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उदघाट्न किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा तीसरे कृषि रोडमैप सहित 9 अन्य योजनाओं का शुभारंभ रिमोट के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति का पुष्प–गुच्छ, स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह बड़े गर्व का विषय है कि बिहार के पूर्व राज्यपाल आज राष्ट्रपति हैं, जो दिल से बिहारी हैं। उनके कर कमलों द्वारा तीसरे कृषि रोडमैप की शुरुआत की गई है। राष्ट्रपति बनने के बाद वे पहली बार बिहार की धरती पर पधारे हैं। मैं उनका बिहारवासियों की तरफ से स्वागत करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहला कृषि रोडमैप 2008 में तैयार किया गया था। इसको व्यवस्थित और संगठित रुप देने के लिए हमलोगों ने विशेषज्ञों से राय ली। 17 फरवरी 2008 को किसान पंचायत का आयोजन किया गया था। उसके बाद चार वर्षों के लिए (2008–2012) कृषि रोडमैप बनाया गया। 2005 में मुख्यमंत्री बनने के एक–डेढ़ साल के अंदर दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह के स्तर पर उनके सरकारी आवास पर एक मीटिंग हुई थी। उस बैठक में मैं भी शामिल हुआ था। देश में कृषि की समस्या पर एक विशेषज्ञ प्रस्तुतीकरण कर रहे थे। प्रस्तुतीकरण करते–करते उनकी नजर जब मुझ पर पड़ी तो मुझको देखकर मुस्कुराते हुए कहा कि बिहार में उत्पादन और उत्पादकता दोनों कम है। हमने भी उन्हें मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि स्थिति में सुधार आ जाएगा। हमारे यहॉ बीज की कमी, बीज विस्थापन दर में कमी, बीज निगम बंद होने के कगार पर था, केमिकल उर्वरक का ज्यादा प्रयोग हो रहा था, इन सभी समस्याओं से मैं अवगत था। इस चार साल में जो काम हुआ, इससे हमारे अनाज के उत्पादन में चाहे धान हो, गेहूं हो, मक्का हो तीनों के उत्पादन में वृद्धि हुई और उत्पादकता भी बढ़ी। लोग प्रेरित हुए और कहीं–कहीं तो किसानों ने ऐसा काम किया कि उन्हें दुनिया भर में प्रशंसा मिली। नालंदा के किसान ने इस तरह से काम किया कि चावल की उत्पादकता में चीन का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। आलू के उत्पादकता में नालंदा जिले के एक गांव ने विश्व कीर्तिमान बनाया। इससे उत्साहित होकर हमलोगों को ये लगा कि कृषि रोडमैप का जो तरीका है, इसको और व्यापक बनाने की जरुरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे रोडमैप को तैयार करने में 2011 में कृषि कैबिनेट का गठन किया गया। इसका विस्तार बढ़ाते हुए 18 विभागों को सम्मिलित किये गये। किसान समागम में भी किसानों के समक्ष सुझाव हेतु दूसरे कृषि रोडमैप का प्रारुप रखा गया। सभी आवश्यक सुझावों को सम्मिलित करते हुए कृषि रोडमैप का अनुमोदन कैबिनेट द्वारा किया गया। इस रोडमैप में 2017 तक के लिए विस्तृत कार्यक्रम था तथा 2022 तक के लिए सांकेतिक लक्ष्य भी निर्धारित किया गया था। दूसरे कृषि रोडमैप से भी उत्पादन एवं उत्पादकता में व्यापक

प्रगति हुई, बीज विस्थापन दर बढ़ा, जैविक खेती, कृषि यांत्रिकरण, बागवानी एवं वृक्ष आच्छादन में विस्तार हुआ। दुग्ध, मछली और अंडा उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे रोडमैप तैयार करने के दौरान ये महसूस हुआ कि हमारे यहॉ जमीन को लेकर काफी विवाद है। 100 साल का पुराना सर्वे कानून है। नया सर्वे सेटलमेंट कानून बनाया। एरियल सर्वे करके उसको फिर जमीन पर, सतह पर, वस्तुस्थिति के साथ उसको मिलान का त्वरित तरीका निकाला। एरियल सर्वे में कई जगहों से परमिशन लेना पड़ता है क्योंकि उसका संबंध देश की सुरक्षा से है। थोड़ा समय लगा लेकिन अब सभी समस्याओं का समाधान हो गया है। सर्वे के बाद सेटलमेंट का काम पूरा हो जाएगा। हमारे यहां 95 प्रतिशत लघु किसान एवं सीमांत किसान हैं। खेतों का बंटवारा होने से किसानों को कठिनाई होती है। चकबंदी हो जाने से खेत का आकार बढ़ेगा, पैदावार बढेगा और किसान और उपलब्धियॉ हासिल कर सकेंगे। पानी की उपलब्धता हमारे यहॉ अच्छी है। ग्राउंड वाटर की अच्छी स्थिति है। सिंचाई के लिए किसान डीजल पंप का उपयोग करते हैं जो काफी महंगा होता है। इसके समाधान के लिए गांव–गांव में बिजली पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों के लिए बिजली का अलग एग्रीकल्चर फीडर होगा, जिससे किसानों को बिजली सप्लाई लगातार मिलेगी और किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। पटना के नौबतपुर में पहला एग्रीकल्चर फीडर तैयार किया गया है, जिसका उदघाट्न आज राष्ट्रपति ने किया है। सात निश्चय योजना के लक्ष्य में इस साल के अंत तक हर बसावट में बिजली पहुंचाना हमारा लक्ष्य है और अगले साल तक हर घर तक बिजली पहुंचाना लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ग्राम योजना के तहत अब सौ की आबादी वाले सभी गांवों को सड़क से जोड़ दिया जाएगा। साथ ही सभी टोले को भी पक्की सड़क से जोड़ दिया जाएगा। धान, गेहूं, मक्का में तो हम आगे हैं ही, सब्जी के उत्पादन में हमारा तीसरा स्थान है। जल्द ही हम दूसरे नंबर पर होंगे और लक्ष्य है कि सब्जी उत्पादन में हम पहले नंबर को प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए को–ऑपरेटिव सोसायटी बनेगा, जिसमें किसानों के आधारभूत संरचना का विकास किया जाएगा। को–ऑपरेटिव के ऊपर यूनियन होगा और उसके ऊपर फेडरेशन होगा। राज्य सरकार इसके लिए हर तरह की सहायता उपलब्ध कराएगी। को–ऑपरेटिव सोसायटी के माध्यम से किसान उत्पादन, प्रसंसकरण एवं विपणन बेहतर तरीके से कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा पर्यावरण के प्रति भी हमलोग सतर्क हैं। इसके लिए जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहते हैं। जहॉ भी इसका खेती हुआ, उसका अच्छा परिणाम मिला है। इसको हमलोगों ने प्रचारित भी किया है। नॉबेल पुरस्कार विजेता जोसेफ स्टिगलेट नालंदा घूमने खंडहर के नीचे एक गांव में गए थे। उन्होंने वहॉ के एक किसान के खेत को देखा, खेत में फूलगोभी देखा जो देखने में खूब बड़ा, खूब सख्त और सफेद था, जबकि बगल वाले खेत में इतना अच्छा गोभी का फूल नहीं था। उन्होंने कहा कि आपके बगल वाले किसान आपसे खेती क्यों नहीं सीखते हैं। किसान ने कहा कि दोनों खेत मेरा ही है, जो बढ़िया गोभी है, उसके लिए जैविक खेती किया गया है, जबकि दूसरे में उर्वरक खाद का उपयोग किया गया है। जोसेफ स्टिगलेट इतने प्रभावित हुए और उन्होंने कहा कि बिहार के किसान तो साइंटिस्ट से भी ज्यादा समझदार हैं। उन्होंने कहा कि इस कृषि रोडमैप में हम जैविक खेती को बढावा देना चाहते हैं। गंगा के किनारे जैविक कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसमें सब्जी की खेती की जाएगी और इसके लिए इनपुट सब्सिडी भी सरकार देगी। गंगा की अविरलता और निर्मलता के प्रति हमलोग सतर्क हैं। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान से निकले पानी को और ट्रीट कर उसको सिंचाई के काम में लाया जाएगा। बीजों के लिए हमारी दूसरे राज्यों पर निर्भरता रहती थी। अब इसके समाधान के लिए हमलोगों ने बीजों के रखरखाव हेतु सही तापमान की व्यवस्था, भंडारण और विपणन के उपाय किए हैं। किसानों को सहायता देने

के लिए हमलोग कृषि यंत्र उपलब्ध कराते हैं, सब्सिडी देते हैं। स्थानीय स्तर पर कृषि यंत्र के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय निर्माताओं को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। इसे कृषि विश्वविद्यालयों से जोड़कर इसकी गुणवत्ता को बरकरार रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पैक्सों के माध्यम से अधिप्राप्ति का कार्य किया जाता है। पैक्सों को कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। दूध, मछली, अंडा के उत्पादन में आत्मनिर्भर होकर, इसे दूसरे राज्यों के बाजारों तक पहुँचाया जाएगा। बिहार के खेत और किसान दोनों उपयुक्त हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम मुख्यमंत्री बने थे, ग्रीन कवर मात्र 9 प्रतिशत था, हमलोगों ने 15 प्रतिशत पहुंचाने का लक्ष्य रखा। इसके लिए हरियाली मिशन का गठन किया और अब हम लगभग 15 प्रतिशत के लक्ष्य तक पहुंच चुके हैं। 24 करोड़ पेड़ लगाने के लक्ष्य में से 18 करोड़ पेड़ को लगाये जा चुके हैं। अब हमारा लक्ष्य 17 प्रतिशत हरित आवरण का है। उन्होंने कहा कि सिंचाई की बेहतर बनाने के लिए सिंचाई विभाग को अंदरुनी तौर पर दो हिस्सो में बांटा गया है। एक हिस्सा बाढ़ नियंत्रण का काम देखेगा और दूसरा हिस्सा सिंचाई परियोजनाओं को देखेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे कृषि रोडमैप का लक्ष्य किसानों की आमदनी को बढ़ाना है, इसके लिए हर क्षेत्र में काम किया गया है। किसान का मतलब सिर्फ खेत का मालिक नहीं बल्कि खेती के कार्य से जुड़े हुये सभी लोग हैं। 76 प्रतिशत लोग बिहार में आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। इतनी बड़ी आबादी का आमदनी बढ़ जाने से राज्य समृद्ध बनेगा। कृषि रोडमैप का एक और लक्ष्य है कि हर भारतीय की थाली में एक बिहारी व्यंजन अवश्य हो। हमारे यहॉ का शाही लीची, भागलपुर का जर्दालु आम, दीघा का दुधिया मालदह आम सब अपने आप में विशिष्ट है। सभी क्षेत्रों में काम करना है, इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पांच वर्ष में 12 विभागों के द्वारा 1 लाख 54 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं पर अमल करने का निर्णय लिया है और यही है पूरे तौर पर कृषि रोडमैप। मुझे विश्वास है कि यह ज्यादा से ज्यादा प्रभावकारी होगा और अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

तीसरे कृषि रोडमैप के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने कहा कि बिहार में राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान यहॉ के लोगों का जो स्नेह और सहयोग मिला, उसे हमेशा याद रखूँगा। इस अवसर पर राज्य पाल श्री सत्यपाल मलिक ने कहा कि आज का दिन बिहार के इतिहास का यादगार दिन है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, कृषि मंत्री श्री प्रेम कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर बिहार मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगण, सांसदगण, बिहार विधानसभा एवं बिहार विधान परिषद के सदस्यगण, मुख्यमंत्री के पूर्व कृषि सलाहकार श्री मंगला राय, आई0टी0एम0 विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलाधिपति श्री रमाशंकर सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर सहित कृषि वैज्ञानिक, सम्मानित अतिथिगण एवं बिहार सरकार के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद का पटना हवाई अड्डा पर राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सहित बिहार मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगण ने पुष्प–गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

कृषि रोडमैप के शुभारंभ कार्यक्रम के पहले राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने राजेन्द्र गोलम्बर पर भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही कार्यक्रम के उपरान्त जय प्रकाश गोलम्बर पर लोकनायक जय प्रकाश नारायण के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रीगण ने पटना हवाई अड्डा पर दिल्ली रवाना होने से पहले राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद को विदाई दी।

******